Dr. RANJEET KUMAR
Deptt. of History
H.D. Jain College, Ara.

M.A- Sem -II
CC-7, unit-1

पुरातत्व और पाटलिपुत्र का इतिहास :—

पाटलिपुत्र, आधुनिक पटना, बिहार से सटा हुआ, प्राचीन भारत का एक शहर था। जिसे मूलरूप से 490 ईसा पूर्व में मगध शासक अजातशत्रु ने गंगा नदी के पास एक छोटे किले (पाटलिग्राम) के रूप में बनवाया था।

पुरातत्व के मुताबिक, पाटलिपुत्र आधुनिक पटना के पास ही था; यह शहर गंगा नदी द्वारा बहा दिया गया था। उदयन ने दो नदियों सोन और गंगा के संगम पर पाटलिपुत्र शहर की नींव रखी थी।

पाटलिपुत्र के इतिहास के बारे में निम्नलिखित जानकारी हमें मिलती है —

- पाटलिपुत्र का निर्माण हर्यक वंश के राजा अजातशत्रु ने करवाया था।
- पाटलिपुत्र को 'जल किला' या जलदुर्ग भी कहा जाता था।
- पाटलिपुत्र को कुसुमपुर और पुष्पपुर के नाम से भी जाना जाता था।
- पाटलिपुत्र में कई प्रसिद्ध विद्वान रहते थे, जैसे कि - कौटिल्य।
- पाटलिपुत्र में चन्द्रगुप्त मौर्य और समुद्रगुप्त ने अपनी राजधानी बनाई थी।
- पाटलिपुत्र में अशोक ने दुनिया के पहले पशु चिकित्सालय की स्थापना की थी।

⟶

- पाटलिपुत्र में दो महत्वपूर्ण बौद्ध परिषदों का आयोजन हुआ था।
- पाटलिपुत्र में व्यापार और वाणिज्य का बड़ा केन्द्र था
- पाटलिपुत्र में 'अर्थशास्त्र' जैसे रचनाएं लिखी गई थी।
- पाटलिपुत्र का नाम 'पाटलि का पुत्र' माना जाता है, यानि 'तुरही का फूल'।

भारत के सबसे शक्तिशाली जनपद या राज्य मगध की राजधानी पाटलिपुत्र का इतिहास बहुत ही रोचक, युद्ध और षड्यंत्रों की गाथाओं से भरा हुआ है। यह मगध की राजधानी थी। यूनानी राजदूत मेगस्थनीज ने अपनी पुस्तक इण्डिका और वात्स्यायन ने अपने ग्रन्थ कामसूत्र में इन नगर के इतिहास पर लिखा है।

वैदिक संस्कृत ग्रंथ भाड़ और उभय अभिसारिकार में भी इसका सुन्दर चित्रण मिलता है। पाटलिपुत्र प्राचीन काल का एक विशालकाय नगर हुआ करता था, जहाँ देश और दुनिया से लोग आते थे और यहाँ का बाजार दुनियाभर में प्रसिद्ध था। मगध साम्राज्य की सत्ता का केन्द्र पाटलिपुत्र थी, यहाँ पर विशालकाय इमारतें हुआ करती थी और यहाँ की महिला एवं पुरुष सुन्दर एवं कीमती आभूषणों से लदे होते थे। यहाँ राजतंत्र के साथ लोकतांत्रिक शासन भी रहा है।